

# स्नेहगीत

1 सुलैमान क स्नेह गीत।

## सस्त्रेमिका क आपन प्रेमी क खातिर

2ओकरे ओठन क चुम्बनन स मोका ढौंपि लेइ द्या। ओसे उ कहेस, “तोहार पिरेम दाखरस स भी मीठा अहइ।

3तोहार इत्र क सुगन्ध मोहक अहइ, मुला तोहार नाउँ मोरे बरे मूल्यवान इत्र स भी जियादा मोहक अहइ! इहइ कारण अहइ कि कुँवरियन तोहसे पिरेम करत ही!

4हे मोर राजा, तू मोका आपन संग लइ ल्या। हाली चला! राजा मोका आपन कमरा में लइ आवा ह।

## मनसेधू क बरे यरूसलेम क मेहररूअन

हम तोहमाँ आनन्दित अउ मगन अही। हम मानत अही कि तोहार पिरेम दाखरस स उत्तम अहइ। अच्छा कारण क बरे कुँवरियन तोहसे पिरेम करत हीं।

## मेहरारू क बचन मेहररूअन बरे

5हे यरूसलेम क बिटियो, मई करिया हउँ, मुला मई सुन्नर हउँ। मई केदार क तम्बुअन जइसा अउ सलमोन\* क तम्बुअन क पर्दा जइसे करिया हउँ।

6किन्तु मोका करिया में सामिल जिन करा। इ सूज अहइ जउन मोका करिया कइ दिहस ह। मोर भइयन एकर कारण अहइ। उ मोका आपन अंगूरे क बगीचन क रखवारी करइ बरे मज़बू किहेन ह। एह बरे मई आपन क धियान नाहीं रखि सकेउँ।

## मेहरारू क बचन मनसेधू क बरे

7मई तोहका आपन पूरी आतिमा स पिरेम करत हउँ। मोर सच्चा पिरेमी, मोका बतावा कि तू आपन भेड़िन क कहाँ चरावत अहा? दुपहरिया में ओनका आरम करइ बरे कहाँ बइठावत अहा? मोका अइसी एक ठु लड़िकी क लगे काहे होइ चाही जउन घूँघट डारिके तोहरे मीतन क झुण्डन क रखवारी करत ह।

## मनसेधू क बचन मेहरारू बरे

8हे मेहररूअन सबन त सुन्नरी, अगर तू नाहीं जानत ह मई कहाँ होब, तउ भेड़ियन क पथ पाछा करा। तोहार बोकरियन क बचन क गइरियन क तम्बुअन क लगे चरा।

**सलमोन** इ केदार अउर सलमा क करिया उन क तम्बू क कईती इसारा करत ह। इ तरह क करिया तम्बूअन अब भी पूर्वी रेगिस्तान में देखा जात ह।

9हे मोर प्रिय मई तोहार तुलना उ घोड़ी स करत हउँ जउन घोड़िन फिरौन क रथ क हीँचइवाल घोड़न क आकर्सित करत ह।

10मई तोहार कल्पना चाँदी अउर रतन स सज़ा भवा घोड़ा स कइ सकत हउँ। तोहार गाल खूबसूरत आभूषण अउर कर्नफूल स भवा अहइ। तोहार गर्दन पइ माला बहोत सुन्नर लगत अहइ। 11जउन सोना अउर चाँदी क पतर लागत ह खास तोहरे बरे बना अहइ।

## मेहरारू क बचन

12जब राजा गद्दी पइ लेटत अहइ, मोरे इत्र क सुगन्ध ओह तलक पहेंचत ह।

13मोर प्रियतम रस गन्ध क कुप्पे जइसा अहइ। उ मोरे सीते क बीच सारी रात सोइ।

14मोर प्रिय मोरे बरे मेंहदी क फूलन क गुच्छन जइसा अहइ जउन एनगदी क अंगूरे क बगीचे में फलत ह।

## मनसेधू क बचन

15मोर प्रिये, तू रमणीय अहा। ओह, तू केतनी सुन्नर अहा। तोहार ओँखिन कबूतरन क जइसी सुन्नर अहइ।

## मेहरारू क बचन

16हे मोर प्रियतम, तू केतना सुन्नर अहा। हाँ, तू केतना मनमोहक अहा। हमार बिछाउन केतना ताज़ा अउर आनन्दित महक प्रदान करत हीं।

17हमार घरे क छत देवदारू क पउधन स बना अहइ। अउर देवारन सनोवर पउधन स बना अहइ।

2 मई सारोन क केसर क पाटल जइसा हउँ। मई घाटियन क कोका बेली हउँ।

## मनसेधू क बचन

2हे मोर प्रिये, दूसर जुवतियन तुलना में तू वइसी ही अहा माना काँटन क झारी क बीच लिली अहा।

## मेहरारू क बचन

3मोर प्रिय, दूसर नउजवानन क बीच तू अइसे लागत अहा जइसे जंगले क बृच्छन में कउनो सेब क पेड़।

## मेहरारू क बचन मेहररूअन बरे

मोका आपन प्रियतम क छाया में बइठब नीक लागत ह; ओकर फल मोका खाइ में बहोत मीठ लागत ह।

4मोर प्रिय मोका मधुसाला मैं लइ आवा अउर मोका आपन पिरेम क बारे मैं एक झण्डा क नाई लहराइके स्पस्ट किह्या।

5मई पिरेम क रोगी हउँ एह बरे किसमिस स मोका मज़बूत बनावा अउर मीठा सेबन स मोका ताजा करा।

6ओकरे बाँया हाथ मोर मुड़ि क पिआर स छुअत ही, अउर ओकर दाहिन हाथ सरीर क पिआर स छुअत ही।

7यरूसलेम क कुँवरियन कुरंगन अउ जंगली हिरनियन क साच्छी मानिके मोका बचन द्या, पिरेम क जिन जगावा अउ उसकावा जब तलक एकर इच्छा न होइ!"\*

8मई आपन प्रियतम क अवाज अनकत हउँ। इ पहाड़न स उछरत भइ अउर पहाड़ियन स कूदत भइ आवत ह।

9मोर प्रियतम कुरंग या जवान हरिन जइसा सुन्नर अहइ। लखा, उ हमरी देवारे क पीछे खड़ा अहइ, खिरकी स लखत अहइ, पर्दा क छेद स झाँकत अहइ।

10मोर प्रियतम मोसे बोलेत ह: हे मोर प्रिये, उठा, हे मोर सुन्नरी, आवा कहूँ चली।

11लखा, सीत-रितु बीत गइ अहइ। बर्खा खतम होइ गइ अउ चली गइ अहइ।

12धरती पइ फूल खिले भए अहइ। चिरइयन क गावइ क समइ आइ ग अहइ। धरती पइ कबूतरे क अवाज गूँजत अहइ।

13अंजीर क बृच्छन पइ अंजीर, पकइ लागेन हँ। अंगूरे क बेल फूलत अहइ अउर ओनकर भीती गन्ध फइलत अहइ। मोर प्रिय उठा, हे मोर सुन्नर, आवा कहूँ दूर चली।"

14हे मोर कबूतर, जउन ऊँच चट्टानन क सबइ गुफा मैं अउर पहाड़न मैं लुकान अहा, मोका आपन मुँह देखावा मोका आपन आवाज सुनावा काहेकि तोहार आवाज मीठ अउ तोहार मुँह सुन्नर अहइ।"

### मेहरारू क बचन मेहररूअन बरे

15जउन नान्ह लोखरियन दाख क बगियन क बिगाड़त ही हमरे बरे ओनका धरा। हमार अंगूर क बगियन अब फूलत अहइ।

16मोर प्रिय मोर अहइ अउर मई ओकर हउँ। मोर प्रिय आपन भेड़ी बोकरियन क कोकाबेलियन क बीच चरावत ह,

17हे प्रियतम, कुरंग स या जवान हरिन स रहा, जब तलक दिन नाहीं ढल जात ह अउर छाया लम्बी अउर खतम नाहीं होइ जात ह पहाड़न पइ चला।

### मेहरारू क बचन

3 हर राति आपन सेज पइ मई आपन मने मैं ओका हेरत हउँ। जउन मनसेधू मोर प्रिय अहइ, मई ओका हेरेउँ ह, मुला मई ओका नाहीं पाएउँ।

2अब मई उठब। मई सहर क चारिहुँ गलियन, बजारन मैं जाब। मई ओका हेरब जेका मई पिरेम करत हउँ। मई उ मनसेधू हेरेउँ उ मोका नाहीं मिला।

**पिरेम क ... होई** या कउनो क मोका जगावइ क अनुमति जिन द्या, या मोर पिरेम क उचित समइ तलक बाधा न होइ द्या।

3मोका सहर क पहरेदारी मिलेन। मई ओनसे पूछेउँ, "का तू उ मनसेधू क लख्या जेका मई पियार करत हउँ?"

4पहरेदारन स मई अबहिं तनिक दूर गएउँ कि मोका मोर प्रियतम मिलि गवा। मई ओका धइ लिहेउँ। मई ओका जाइ क अनुमति नाहीं दिहा अउर मई ओका आपन मताहरी क घरे लइ आवा, मई ओका उ कमरा मैं लइ आवा जहाँ पइ उ मोका जनम दिहे रहा।

### मेहरारू क बचन मेहररूअन बरे

5हे यरूसलेम क कुँवरियन, कुरंगन अउ जंगली हिरणियन क साच्छी मानिके मोका बचन द्या, पिरेम क जिन जगावा अउ उसकावा जब तलक एकर इच्छा न होइ।

### यरूसलेम क मेहररूअन बोलेस:

6इ मेहरारू कउन अहइ जउन धूल क बादर क संग रेगिस्तान स होत भए आवत ही, अउर गन्धरस अउर लोबान अउ उ सबइ तरह क खुसबू जउन व्यपारियन रखत ह स सुगन्धित अहइ?

7सुलैमान क पालकी क लखा। ओन जात्र क पालकी क साठ फउजी घेरे भए अहइ। इस्त्राएल क सक्तीसाली फउजी।

8उ पचे सबहिं फउजी तरवारन स सुन्नर ढंग स सज्जित अहइ। जउन जुद्ध मैं निपुण अहइ; हर मनई क बगल मैं तरवार लटकत अहइ, जउन राति क खउफनाक खतरन बरे तइयार अहइ।

9राजा सुलैमान लोगन स एक ठु पालकी लेबानोन क देवदारू काठे स बनावाए रहा।

10उ जात्रा क पालकी क बल्लन क चाँदी स बनाएस अउर ओकर टेक सोना स बनावा गवा। पालकी क गद्दी क उ बैगनी ओढ़ना स ढाँपि दिहस अउर इ यरूसलेम क बितियन क जरिये पिरेम स बुना गवा रहा।

11सिय्योन क बिटियो, बाहेर आइके राजा सुलैमान क ओकरे मुकुट क साथ लखा जउन ओका ओकर महतारी उ दिन पहिराए रही जब उ बियाहा गवा रहा, उ दिन उ बहोत खुस रहा।

### मनसेधू क बचन मेहरारू बरे

4 मोर प्रिये, तू बहोत सुन्नर अहा। घूँघट क ओट मैं तोहार आँखिन कबूतरे क आँखिन जइसी सरल अहइ। तोहार केस लम्बा अउ लहरात भवा अहइ जइसे बोकरी क बच्चन गिलाद क पहाड़ क ऊपर स नाचत उतरत हौंइ।

2तोहार दाँत एक भेड़न क झुण्ड जइसे अहइ जउन धोइके निकर आई; हरेक भेड़ जुड़ैवा बच्चन रखत हीं; ओकर बच्चन मैं स कउनो भी गाएब नाहीं होत ही।

3तोहार ओठ लाल धागा जइसा अहइ। तोहार मुँह सुन्नर अहइ। तोहार गाल घूँघट क खाले अनार क दुइ फाँकन क जइसी अहइ।

4तोहार गटइ पातर अउर ऊँच अहइ जइसा दाऊद क मीनार जउन कि हज़ारन सुनहरी ढालन क संग पाथरन क कतारन क ऊपर बना अहइ। हर ढाल जोद्धन क अहइ।

5तोहार दुई चूचियन जुड़वा दुई बाल हरिण जइसे अहईं, जइसे जुड़वा कुरंग लिलियन क बीच चरत होइ।

6मईं गन्धरस क पहाड पड़ जाब। मईं पहाड़ी पड़ तब तलक जाब जब तलक सुबह की सुहावनी हवा न बहइ अउर अंधेरापन फीका न होइ जाइ।

7मोर प्रिये, तू केतना अद्भुत अहा। कउनो दोख तोहार सुन्नरता क नाही लिहेस ह।

8ओ मोर दुलहिन, लबानोन स आवा, लबानोन स मोर संग आइ जा, मोरे साथ आइ जा, अमाना क चोटी स, सनीर क ऊँचाई स सेर क गुफन स अउर चीतन क पहाडन स आवा।

9हे मोर बहिन,\* हे मोर दुलहिन, तू मोका उतेजित करति अहा। तू मोर हिरदइ क आपन आँखिन क सिरिफ एक नज़र स अउर आपन माला क बस एक ही रतन स, कब्जा कइ लिहा ह।

10मोर बहिन, हे मोर दुलहिन, तोहार पिरेम केतना आनन्दप्रद अहइ! तोहार पिरेम दाखरस स जियादा उत्तिम बाटइ, तोहार इत्र क सुगन्ध कउनो भी सुगन्धि स उत्तिम अहइ।

11तोहारे ओठन स मधु टपकत ह। तोहरी जीभ क खाले में सहद अउ दूध अहइ। तोहारे ओढ़नन क गंध लबानोन क देवदारू जइसी अहइ।

12मोर बहिन, हे मोर दुलहिन, तू ताला लगा भवा बाग जइसी अहइ। तू रोका भवा तालाब क जइसा अउर बंद कीन्ह गवा फव्वारा जइसा अहइ।

13तोहार अंग उ उपवन जइसे अहईं जउन अनार अउर मोहक फलन स भरा होइ, जेहमाँ मेंहदी अउर जटामासी क फूल भरा होइ;

14जेहमाँ जटामासी, केसर, मुस्क अउ दालचीनी अउर हर तरह क मसाला, गन्धरस, अगर अउ सबइ उत्तिम मसाला भरा होईं।

15तू एक फव्वारे क बाग क नाई, एक ताज़ा पानी क कुवाँ क नाई, अउर एक झरना होई जउन लबानोन पहाड़ी स खाले बहत ह।

16जागा, हे उत्तर क हवा। आवा, तू दक्खिन पवन। मोरे उपवन पड़ बहा। जेहसे एकर मीठ, गन्ध चारिहुँ ओर फइल जाइ। मोर प्रिय मोरे उपवन में प्रवेश करइ अउर उ एकर मीठ फल खाइ।

### मनसेधु क बचन

5 मोर बहिन, हे मोर दुलहिन, मईं आपन बाग में प्रवेश कइ लिहउँ ह। मईं आपन गन्धरस क सुगन्धित मसाला बटोरेउँ ह। मईं आपन सहद क छता क सहद समेत खाइ चुकेउँ ह; मईं आपन दाखरस अउ दुध पी चुकेउँ ह।

### मेहररुअन क बचन प्रेमियन बरे

हे मीतो, खा, हे प्रेमियो, पिआ। पिरेम स मस्त होइ जा।

**बहिन** प्राचीन समाज में पत्नियन ब्याह क बन्धन क मज़बूत करइ बरे पत्नियन क “बहिन” क रूप में स्वीकार करत रहेन।

### मेहरारू क बचन

2मईं सोवत हउँ किन्तु मोर दिमाग सपना में जागत रहा। मईं एक ध्वनि सुनेउँ! मोर प्रियतम दुआरे पड़ दस्तक देत रहा!

### प्रमी आपन प्रेमी क संग सपना में:

“मोरे बरे खोला, मोर बहिन, मोर प्रिये, मोर फाख्रता, मोर निर्मल! मोरे सिरे ओस स गीला होइ गवा ह, मोर केस राति क नमी स भीगा अहईं।”

### मेहरारू जबवा देत ही:

3मईं आपन ओढ़ना उतार दिहेउँ ह। मईं एक फुन स पहिरइ चाहत हउँ। मईं आपन पाँच पखार चुकी हउँ, फुन स मईं एका मइला नाही करइ चाहत हउँ।

4मोर प्रियतम किवाड़ा क चाबी क छेद स हाथ डाएस, अउर ओकरे बरे मोर प्रेम उमड़ पड़ेस। 5मईं आपन प्रियतम बरे दुआर खोलइ बरे उठिउँ। मोरे हाथन स गन्धरस टपकत ह। गन्धरस मोर अँगुरियन स ताल क हत्थे पड़ टपकत ह।

6आपन प्रियतम बरे मईं दुआर खोल दिहेउँ, मुला मोर प्रियतम तब तलक जाइ चुका रहा। जब उ चला गवा तउ जइसे मोर प्राण निकरि गवा। मईं ओका हेरत फिरेउँ मुला मईं ओका नाही पाएउँ, मईं ओका गोहरावत फिरेउँ किन्तु उ मोका जवाब नाही दिहस।

7नगर क पहरेदारन मोका पाएन। उ पचे मोका मारेन अउर मोका घायल किहेन। नगर क परकोटे क पहरेदारन मोहसे मोर चोगा लइ लिहन।

8हे यरूसलेम क मेहररुअन, मईं तू पचक आदेस देत हउँ। अगर तू पचे मोर प्रियतम क पाइ जा तउ तू ओका का बताइ? बताइ द्या कि मईं ओकरे पिरेम क रोगी हउँ।

### यरूसलेम क बिटियन क ओकर जवाब

9हमका कहा कि तोहार प्रियतम अउरन स कइसे उत्तिम अहइ। हे सबन त सुन्नर मेहररुअन, तोहार प्रिय अउरन स उत्तिम काहे अहइ? तू हम पचन स इ बचन काहे करइ क कहेस?

### यरूसलेम क बिटियन क ओकर जवाब

10मारे प्रियतम तेजस्वी अउ मज़बूत अहइ। उ दसियउँ हजार मनसेधुअन में एक अहइ।

11ओकर माथा निखालिस सोना जइसा अहइ। ओकर घुँघराला केस खजूर क गुच्छन क जइसा अहइ अउ कउनन जइसा करिया अहईं।

12ओकरी आँखिन जलधारा क किनारे बइठा फ़ाखतन नाई अहइ। ओकर आँखिन दूधे क तालाब में नहाए फ़ाखतन क जइसी अहईं अउर अइसी अहईं जइसे सही तरीका स रतन जड़ होईं।

13ओकरे गाल बाग क नाई अहइ जउन गुल महेन्दी क पउथा क खुसबू स भार अहइ। ओकर ओंठ लिलियन जइसेन अहईं जेनसे गंधरस टपकत ह।

14ओकर बाँहन सोना क छड़न जइसी अहई जेनमाँ हरितमणि जड़ा होई। ओकर देह नक्कासी कीन्ह भवा हाथी दाँत अहइ जेहमाँ नीलमनियन जड़ा होई।

15ओकर जाँघन संगमरमर क खम्मन जइसी अहई जेनका उत्तिम सुवर्ण पड़ बड़ठावा गवा होइ। ओकर ऊँचा कद लबनोन क देवदार जइसा अहइ जउन देवदार बृच्छन में उत्तिम अहइ।

16ओकर मुँह बहोत मीठा अहइ; ओकर हर चीज चाहनेयोग्य अहइ। हे यरूसलेम क मेहररुअन, उ मोर प्रियतम अहइ! उ मोर प्रेमी अहइ!

### यरूसलेम क बिटियन क ओहसे कहब

6 मेहररुअन में सबसे सुन्दर मेहरारू, बतावा तोहार प्रियतम कहाँ चला गवा? कउने राह स तोहार प्रियतम चला गवा ह? हमका बतावा ताकि हम तोहरे साथ ओका हेरि सकी।

### यरूसलेम क बिटियन क ओकर जवाब

2मोर प्रिय आपन बंगिया में चला गवा, मसालन क खेत में आपन भेड़ी चरावइ बरे अउर लिलियन क बटोरइ बरे।

3मई आपन प्रियतम स हउँ अउर उ मोर प्रियतम मोसे अहइ। उ लिलियन क बीच भेड़ चरावा करत ह।

### मनसेधू क बचन मेहरारू बरे

4मोर प्रियतम, तू तिरसा क नाई सुन्नर अहा। तू यरूसलेम में एक अद्भुत क नाई अहा। तू ऐतना अजूबा अहा जइसे कउनो फउज झण्डा क संग चलत ह।

5तू मोह पड़ स आपन आँखिन हटाइ ल्या, उ मोका उत्तेजित करत अहई। तोहार केस ऐतना लम्बा अउ लहरत अहई जइसे गिलाद क पहाड़ी क ढलान स बोकरियन क झुण्ड उछरत भवा उतरत आवत होइ।

6तोहार दाँत एक भेड़न झुण्ड जइसे अहई जउन धोइके निकर आई; हरेक भेड़ जुड़ौवा बच्चन रखत हीं; ओन में स कउनो एक ठू भी गाएब नाही होत ही।

7घूँघट क नीचे तोहार गाल अनार क दुइ ठू फाँकन क तरह अहई।

8होइ सकत ह हुआँ साठ रानियन, अस्सी रखैलन अउर अनगिनत जवान कुँवरियन होईं,

9किन्तु हुवाँ ओकरे जइसा कउनो नाही अहइ! उ आपन महतारी क एक खास बिटिया अहइ, उ ओनमाँ बहोत प्रिय अहइ जउन ओका जनम दिहेस ह। कुँवरियन ओका लखेन अउ ओका सराहेन। हाँ, रानियन अउ सबइ रखैलन भी ओकर तारीफ किहे रहिन।

### मेहररुअन क जरिये ओकर तारीफ

10उ पचे कहेस: “उ कउन अहइ जउन बढ़त भवा उसा क समान अहइ? उ कउन अहइ जउन चाँद क नाई सुन्नर अहइ? उ कउन अहइ जउन सूर्य क नाई चमकत अहइ? उ कउन अहइ जउन फउज जइसा अजूबा अहइ जउन झण्डा लड़ जात अहइ?”

### मेहरारू क बचन

11मई अखरोट क बगीचा स होत भवा इ देखइ बरे गवा कि का अंगूर क बेलन खिला अहइ अउर का अनार क कलियन खिली अहई या नाही।

12मोर राजकुमार, मई खुसी स भरि गवा जब तू मोका गन्धरस दिहे रहा।\*

### यरूसलेम क बिटियन ओकरे बरे बोलत ह

13हे “परिपूर्ण” मोर तरफ लउटि आवा! मोर तरफ आवा, मोर तरफ आवा, ताकि हम तोहका लखि सकी! काहे अइसे सुलेम्मिन क घूरति अहा जइसे उ महनैम क नाच क नर्तकी होइ?

### मनसेधू क जरिये सुन्दरता क वर्णन

7 हे सज्जन अउरत, तोहार गोड़ पनहियन में केतैना सुन्नर अहई! तोहार जाँघन क गोलाइ कउनो कलाकार क बना गवा गहना क नाई अहई

2तोहार नाभी क नीचे क भाग गोल कटोरा क समान अहई। होइ सकत ह एहमाँ कभी मिस्त्रित दाखरस कमी नाही होत। तोहार पेट गोहूँ क ढेरी क समान अहइ जेकर चउहददी लिलियन क अहई।

3तोहार चूचियन दुई जवान हिरण क जइसा अहइ, कुरंगी क जुड़वा।

4तोहार गटइ हाथी दाँत क मीनार क समान अहई। तोहार आँखिन हेसबोन क उ सबइ कुण्ड क समान अहइ जउन बेत-रब्बीम क फाटक क लगे अहइ। तोहार नाक लबानोन क मीनार क जइसा लम्बी अहइ जउन दमिस्क कइँती मुहँ किहे अहइ।

5तोहार मूँड कर्मेल क पहाड़ क जइसा अहइ। तोहार मूँडे क बार राजा क देवारन पड़ लहरत भवा लम्बा वस्त्र क नाई अहइ।

6तू केतनी सुन्नर अउ मनमोहक अहा ओ मोर प्रिय! तू मोका केतैना आनन्द देति अहा।

7तू खजूरे क बृच्छ जइसी लम्बी अहा। तोहार चूचियन अइसे अहई जइसे खजूर क गुच्छन।

8मई खजूर क बृच्छ पड़ चढ़ब, मई एकर डारन क धरब, तू आपन चूचियन क अंगूरे क गुच्छन स बनने द्या। तोहार साँस क गंध सेब क जइसा होइ द्या।

9तोहार मुँहना उत्तिम दाखरस जइसा होइ द्या, जउन धीरे स मोर प्रियतम में बहत होइ, जउन ओठन तलक बहत होइ जब हम साथ सोवत ह।

10मई आपन प्रियतम क अहउँ अउर उ मोका चाहत ह।

11आवा, मोर प्रियतम, आवा! हम खेतन में निकरी चली, हम गाँवन में राति बिताइ।

12हम बहोत हाली उठी अउर अंगूरे क बागन में निकरी जाइ। आवा, हम हुआँ लखी का अंगूरे क बेलन पड़ कलियन खिलति अहई। आवा, हम लखी का बहारन खिल

पद 12 या “मई आपन क बारे में नाही जानतउँ जब तू मोका सज्जन मनुस्य क रथन दिहस।

गइ अहई अउर का अनार क कलियन चटकति अहई। हुवई पइ मई आपन पिरेम तोहका अर्पण करबउँ।

13दोदफलन\* क सुगन्ध फइल चुका अहइ। अउर सबहि प्रकार क कीमती फलन हमरे दुआरन क ऊपर\* जमा अहई। तोहार बरे नवा अउ पुराना दुइनउँ प्रकार क चीज बचाइ रखेउँ ह, हे मोर प्रिय।

8 कास, तू मोर सिसु भाइ होल्या, मोर महतारी क छाती क दूध पिअत भए। अगर मई तोहसे हुवई बाहेर मिल जाइत तउ तोहार चुम्बन मई लइ लेतेउँ, अउर कउनो मनई मोर निन्दा नाहीं कइ पावत।

2तोहका मई आपन महतारी क घरे मँ लइ अवतेउँ जहाँ तू मोका सिच्छा देइ सकतेउँ। मई तोहका पिअइ बरे, आपन मिश्रित अनारे स निकरा भवा दाखरस देतेउँ।

### मेहरारू क बचन मेहररूअन बरे

3ओकर बाँया हाथ मोरे मूँडे क छुअत ह, अउर ओकर दाहिन हाथ मोरे सरिर क छुअत ह।

4मई तोहका चेताउनी देत हउँ हे यरूसलेम क कुँवरियन: पिरेम क जिन जगावा अउ उसकावा जब तलक एकर इच्छा न होइ।

### यरूसलेम क बितियन क बचन

5इ कउन अहइ जउन आपन प्रियतम स लपटा भवा, रेगिस्तान स चली आवत ह?

### मेहरारू क बचन मनसेधू बरे

मई तोहका सेब क बृच्छ क खाले जगाए रहेउँ; हुवाँ तोहार महतारी तोहका गरभ मँ धरेस; हुवाँ तोहार मताहरी तोहार बरे प्रसव-पीड़ा सहेस अउर तोहार जनम भवा।

6मोका तू आपन हिरदय मँ महर क नाई धरा। ताबजि क समान मोका आपन बाँहि बांध ल्या। काहेकि पिरेम मउत क जइसा मजबत अहइ। भावना कब्र क नाई तेज होत ह। एकर चिंगारी आग क लपटन क नाई होत ह। एकर धधक धधकत भइ लपटन स होइ जात ह।

7बाढ़ पिरेम क नाहीं बूझाइ सकत। नदियन एका नीचा नाहीं कइ सकत। अगर कउनो मनई पिरेम आपन सारा धन देकर खरीदइ चाही, तउ पर भी ओकर धन बेकार ही समुझा जाब।

### ओकरे भाइयन क बचन

8हमार एक छोटकी बहिन अहइ, जेकर चूची अबहिं फूटी नाहीं। हमका का करइ चाही जउने दिन ओकर सगाई होइ?

9अगर उ देवार अहइ तउ मई ओह पइ चाँदी क मीनार बनाइ देब। अगर उ दुअर अहइ तउ मई ओकरे पइ देवदारू क मुल्यवान पल्ला लगाइ देब।

### ओकर आपन भाइयन क जवाब

10मई परकोट हउँ अउर मोर चूची गुम्बद जइसे अहई। तउ मई ओकरे बरे सान्ति क दाता हउँ।

मनसेधू क बचन

11बाल्हामोन मँ सुलैमान क अंगूरे क बगिया रही। उ आपन बाग क रखवारी बरे दइ दिहस। हर रखवारा ओकरे फलन क बदले मँ चाँदी क एक हजार सेकेल लिआवत रहा।

12मुला सुलैमान, मोर आपन अंगूर क बाग मोरे बरे अहइ। हे सुलैमान, मोरी चाँदी क एक हजार सेकेल सब तू ही रख ल्या, अउर इ सबइ दुइ सौ सेकेल ओन लोगन बरे अहई। जउन खेतन मँ फलन क रखवारी करत हीं।

### मनसेधू क बचन मेहरारू बरे

13तू जउन बागे मँ रहति अहा, मोरे मित्र तोहार आवाज़ धियानपूर्वक सुनत अहई; मोका भी सुनइ दया!

### मेहरारू क बचन मनसेधू बरे

14मोर प्रियतम, हाली आवा! महकत द्रव्यन क पहाड़े पइ चिकारे या जवान हरिन जइसा बनि जा!

**दोदफलन** हिब्रू सब्द क अरथ अहइ "पिरेम बृच्छ।" एकर जर क सकल मनई क नाई अहइ। लोगन क मानत रहिन कि इ बृच्छ मेहररूअन क गरभवती बनावइ मँ मदद करत ही।

**दुआरन क ऊपर** प्राचीन काल बगल पूर्व क भुइँया मँ फलन क अलमारियन मँ या दुआर क ऊपर रखत रहेन। उ ओका हुवाँ तब तलक रखत रहेन जब तलक उ सूखा, बहोत मीठा अउर मजेदार न होइ जाई।